रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका) : (क) और (ख) मानक भोजन और चाय इत्यादि की दर सूची पिछली बार 17-12-1991 को संशोधित की गई थी तथा 1-1-92 से लागू की गई थी। वर्तमान दरें इस प्रकार हैं :—

मदें	स्वैच्छिक यूनिटें	चल यूनिटें
	रुपये	रुपये
1. जनता खाना	3.00	3.00
2. किफायती भोजन	6.00	6.00
3. मानक भोजन (थाली)		
(निरामिष)	10.00	11.00
(सामिष)	14.00	15.00
4. मानक भोजन (केसरोल में)		
(निरामिष)	—	12.00
(सामिष)	—	15.00
5. कप में चाय	1.50	1.50
6. पॉट में चाय (फ्लास्क)	3.00	3.00

20-12-1991 से बिस्तर प्रभार संशोधित करके 5 रुपये से 10/- रुपये प्रति बिस्तर प्रति रात्रि कर दिये गये थे तथा बाद में 15-6-1992 से इन्हें अ.शोधित करके 10/— रुपये प्रति बिस्तर प्रति यात्रा कर दिया गया था।

Faulty Taxi Meters in the Capital

3777. SHRI KRISHAN LAL SHARMA : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a number of meters of three-wheelers and taxis in the capital have been found doctored to register excessive fare;

(b) if so, the number of such cases detected during the last six months; and

(c) the action taken against such operators ?

THE MINISTRY OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) No, Sir.

(b) and (c) Does not arise.

Financial assistance to Gujarat

3778. SHRI GOPALSINH G. SOLANKI : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether the Central Government have provided any financial assistance to the Gujarat Government during the last two years and till so far in the current year for the maintenance and repair of roads in the State;

(b) if so, what are the details thereeof togetherwi h the amount actually spent by the Gujarat Government;

(c) whether the Central Government have kept any observation/monitoring on the spending of the above amount; and

(d) if so, whether this amount was spent appropriately by the State Government ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) and (b) Presumably, the Member is referring to the financial assistance given to States under Central Road Fund for the development of roads in Gujarat. Funds released to Gujarat State under Central Road Fund during the last two years and current year are as under :

Year	Funds released (Rs. in lacs)
1990-91	150.00
1991-92	60.00
1992-93	70.00

(c) and (d) The expenditure on approved works is initially incurred by the State Governmen: from their own Plan resources and it is reimbursed at the close of the year keeping in view the expenditure incurred by them on approved works and availability of funds. Since the funds under Central Road Fund form part of State Plan, the State Government is responsible for the monitoring of the utilisation of funds. Maintenance and repairs of State roads is the responsibility of the respective State Government.

गुजरात में पुलों का निर्माण

3779. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात से गुजरने वाले राज-मार्गों पर 69 पुलों का निर्माण किए जाने की मंजूरी दी गई थी;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि केवल 64 पुलों का ही निर्माण-कार्य चल रहा था;

(ग) यदि हां, तो शेष 5 पुलों का निर्माण-कार्य आरम्भ न किए जाने के क्या कारण हैं और ये पुल किन-किन स्थानों पर बनाये जाने थे;

(घ) 64 पुलों के निर्माण-कार्य का कितने प्रतिशत भाग पूरा हो चुका है और इस सम्बन्ध में पुल-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या यह भी सच है कि 64 पुलों का निर्माण-कार्य निर्धारित समय से पीछे चल रहा है, यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) जी, नहीं । 30-9-1992 की स्थिति के अनुसार 69 संस्वीकृति पुलों में से 67 पुलों पर कार्य प्रगति पर था । शेष दो पुलों पर निर्माण-कार्य, निर्माण-पूर्व की औपचारिकताएं पूरी हो जाने के बाद शुरू किया जाएगा । ये पुल राष्ट्रीय राजमार्ग 8 के 357/0-2 और 374/0-2 कि० मी० पर हैं ।

(घ) अपेक्षित सूचना संलग्न विवरण में दी गई है । (नीचे देखिए) ।

(ङ) एक्सप्रसवे पर बने पुलों को छोड़कर शेष सभी पुलों पर कार्य निर्धारित कार्यक्रम से बहुत पीछे नहीं चल रहा है । एक्सप्रेसवे पर पुलों के कार्य की धीमी प्रगति मुख्य कारण ठेकेदारों का अल्प-कार्य निष्पादन होना है ।